→ भैंस -

* भारतीय भैंसो को 'वाटर भैंस' भी कहा जाता है।
* भैंस को 'ब्लेक डायमण्ड' भी कहा जाता है।
* विश्व में सर्वाधिक भैंस भारत में (57%) पाई जाती है।
* दूध मे सर्वाधिक योगदान (52%) भैंस का है।
* भारत में सर्वाधिक भैंस उत्तरप्रदेश में।
* राजस्थान का भैंस संख्या में दूसरा स्थान।
* राजस्थान में सर्वाधिक भैंस जयपुर में।
* केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान - हिसार (हरियाणा)

→ भैंस की प्रमुख नस्ले -

(1) मुर्रा नस्ल -

* मूल स्थान - दिल्ली, रोहतक, हिसार और जींद (हरियाणा) नाभा और पटियाला जिला (पंजाब)
* अन्य नाम - दिल्ली भैंस, कुण्डी भैंस, काली भैंस।
* राजस्थान में उदयपुर के आसपास ज्यादा पायी जाती है।
* विश्व में दूध उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ नस्ल मानी जाती है।
* इस नस्ल की त्वचा पतली मुलायम एवं चिकनी होती है।
* इस नस्ल की आंखे चमकीली एवं छोटी होती है।
* यह ब्लेक जेट बॉडी या काले स्याह रंग के लिए जानी जाती है।
* पूंछ के अन्तिम सिरे पर सुनहरे रंग के बाल पाए जाते है।
* दूध की उपज 2000-2500 किग्रा./ब्यांत उत्पादन।
* वसा 7-9%.
* प्रजनन केन्द्र - कुम्हेर (~~भरतपुर~~) वर्तमान डीग जिले में।

(2) नीली-रावी नस्ल →

* मूल स्थान- पंजाब का फिरोजपुरा जिला एवं अमृतसर के नीलीरावी और पाकिस्तान का मौंटगोमरी जिला।
* अन्य नाम- पंचकल्याणी या पंचभद्रा।
* माथे पर सफेद टिका तथा चेहरा, थूथन एवं पैरो पर सफेद धारिया पायी जाती है।
* पूंछ के अन्तिम सिरे पर सफेद रंग के बाल पाए जाते है।
* भैंस की नस्लो में सबसे कम वसा की प्रतिशत मात्रा (4%) पाई जाती है।
* वसा 8-10%
* दूध उपज 1500-1800 kg/ ब्यांत उत्पादन।

(3) जाफराबादी →

* मूल स्थान- गिर जंगल, काठियावाड़ (गुजरात)
* अन्य नाम- मिनी एलीफेन्ट, भावनगरी और जाफरी।
* सबसे भारी भैंस की नस्ल है।
* इसके सिंग गर्दन के दोनो ओर लटककर ऊपर की ओर मुड़ जाते है, तथा सींग का आगे का सिरा छल्लेदार होता है।
* दूध उपज 1000-1200 kg/ ब्यांत उत्पादन।
* वसा 9-10%.

(4) टोडा नस्ल —

* मूल स्थान- तमिलनाडू की नीलगिरी पहाड़ियाँ।
* भैंस की सबसे हिंसक नस्ल।
* सबसे सुगंधित दूध इसी नस्ल का होता है।

(5) मेहसाणा नस्ल -

* मूल स्थान - मेहसाणा (गुजरात)
* भैंस में दूध देने की सबसे लम्बी अवधि वाली नस्ल।
* राजस्थान के जालोर जिले में बहुतायत पाई जाती है।
* इस नस्ल में पूंछ में काले बालों का गुच्छा होता है।

(6) सूरती नस्ल -

* मूल स्थान - बड़ौदा (गुजरात)
* इसका रंग काला या भूरा होता है।
* इस नस्ल का अयन वर्गाकार होता है।
* यह नस्ल दक्षिणी राजस्थान में पायी जाती है।
* दूध उपज 1600-1700 Kg/ ब्यांत उत्पादन।
* वसा 5-7%

(7) भदावरी नस्ल -

* मूल स्थान - आगरा जिले का भदावर स्थान (UP)
* सबसे ज्यादा गर्मी सहने वाली नस्ल।
* इस नस्ल का शरीर आगे से पतला व पीछे से चौड़ा।
* दूध में सर्वाधिक वसा 12-14% पायी जाती है।
* शरीर तिकोना अथवा V आकार का होता है।
* प्रथम ब्यांत की आयु 45-54 माह है।
* दूध उपज 900-1200 Kg/ ब्यांत उत्पादन।

(8) नागपुरी नस्ल -

* मूल स्थान - महाराष्ट्र।
* अन्य नाम - मराठवाड़ा, बेरारी, इलिचपुरी।
* इसके सींग तलवार के समान होते है।

(9) भैंस की अन्य नस्लें - एवं मूल स्थान →

* पंढरपुरी - महाराष्ट्र।
* कालाहांडी - ओडिशा।
* चिल्का - उड़िसा।
* मराठवाड़ी - महाराष्ट्र।
* बन्नी - गुजरात।
* बरगुर - तमिलनाडू।
* तराई - कर्नाटक।

==**==

RAJASTHAN CLASSES EDU
COPYRIGHT
Helpline: 8107670333

⇒ भेड़

* वैज्ञानिक नाम - ओविस एरिस।
* भेड़ो का घर राजस्थान को कहा जाता है।
* भेड़ को परजीवियों का म्यूजियम भी कहते है।
* विश्व में भेड़ो की लगभग 200 नस्लें है।
* लरड़ी। गाडर। गारो - ये सभी भेड़ के उपनाम है।
* नेलोर भारत की सबसे ऊंची भेड़ है।
* गैलोर भारत की सबसे उर्वर भेड़ नस्ल है।
* मांड्या भेड़ की सबसे छोटी नस्ल है।
* भारत में सर्वाधिक भेड़ो वाला राज्य तेलंगाना है।
* राजस्थान का चौथा स्थान लगता है।
* राजस्थान में सर्वाधिक भेड़ बाड़मेर में पायी जाती है।
* राजस्थान में न्यूनतम भेड़ बांसवाड़ा में पायी जाती है।
* राजस्थान में सर्वाधिक ऊन जैसलमेरी नस्ल से प्राप्त कीजाती।
* राजस्थान में सर्वोत्तम ऊन उत्पादक नस्ल चोकला है।

P.T.O